

प्रश्नक,

डी० सैथिल पाण्डेयन,

सचिव,

उत्तराखण्ड

सेवा में,

निदेशक,

प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,

ननुरखेडा, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बैसिक)

विषय: वितीय वर्ष 2014-15 में प्रारम्भिक शिक्षा के अन्तर्गत द्वितीय अनुपूर्वक माग के माध्यम से देहरादून: दिनांक: 24 फरवरी, 2015

अवस्थित धनराशि अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-अर्थ-2/17686/5क(01)02/2014-15 दिनांक 12-12-2014 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वितीय वर्ष 2014-15 में प्रारम्भिक शिक्षा के अन्तर्गत द्वितीय अनुपूर्वक माग के माध्यम से अनुदान सँ-11, (राजस्व व्यय) के आयोजनोत्तर पक्ष में प्राविधानित रु० 2,93,00,000.00 (रुपये दो करोड़ तिरानवे लाख मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार आपके निवेदन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) वित्त विभाग के शासनादेश सँ 318/XXVII(1)/2013 दिनांक 18-03-2014 एवं शासनादेश सँ-1055/XXVII(1)/2014 दिनांक 30-12-2014 में से वर्णित शर्तों का अनुपालन निवेदन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) व्यय करने से पूर्व गृहस्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वितीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वितीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य संक्षम अधिकांश की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।

- (4) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वितीय वर्ष की देनदायी अगले वितीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (5) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निश्चित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्ययान्वित एवं बचतों के विवरण शासन की निश्चित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।
- (6) मिलव्यता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।

- (7) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।
- 02- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वाल्व वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक 2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित सम्बन्धित व्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामों द्वारा जायेगा।
- 03- बिल विभाग के शासनादेश सं० 318/XXVII(1)/2013 दिनांक 18-03-2014 एवं शासनादेश सं० 1055/XXVII(1)/2014 दिनांक 30-12-2014 में दिये गये दिशा निर्देशों के कम में प्रशासकीय विभाग के स्तर से ही जारी किया जा रहा है।

भवदीय,
(डी० सैथिल पाण्डेयन)
सचिव।

सं० /XXIV(1)/2015-11/2014 /द्वितीक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

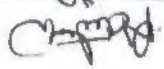
01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहरनपुर रोड, ओवरग बिल्डिंग, देहरादून।
02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्दानगर, देहरादून।
03. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से) राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, ननूरखेड़ा देहरादून।
05. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
06. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)
07. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
08. बिल (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
09. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(प्रदीप मोहन नौटियाल)
अनु सचिव।

(धनराशि हजार रु० में)

लेखाशीर्षक	आयोजनागत	आयोजनात्तर
अनुदान संख्या-11		
2202 सामान्य शिक्षा		
01 प्रारम्भिक शिक्षा		
101 राजकीय प्राथमिक विद्यालय		
04 वैयक्तिक शिक्षा परिषद् का राजकीयकरण		
	27- विकिन्सा व्यय प्रतिपूर्ति	3000
	योग-04	3000
	योग-101	3000
104 निरीक्षण		
05 विकासखण्ड स्तर पर उप शिक्षा अधिकारी कार्यालयों की स्थापना	(-02-101-04 से स्थानान्तरित)	
	01- वेतन	11000
	03- महंगाई भत्ता	11500
	06- अन्य भत्ता	3500
	27- विकिन्सा व्यय प्रतिपूर्ति	300
	योग-05	26300
	योग-104	26300
	कुल योग अनुदान संख्या-11	29300

(रुपये दी करोड़ विरानवे लाख मात्र)


(प्रदीप मोहन चौधरी)
अनुसंधान

